

B. A. Part-III (Hons.) Examination, 2021

Subject : Sanskrit

Paper : VII

(New & Old Syllabus)

Time : 2 Hours

Full Marks : 50

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु यथाकामं षट्प्रश्नाः समाधेयाः। अत्र प्रश्नद्वयं सुरगिरा लेखनीयम्।

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। দুটির উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।)

5×6=30

(क) मातृभाषया अनुद्यताम्।

गुरुपदेशश्च नाम पुरुषाणामथिलमलप्रक्षालनम्कमजलम्नानमनुपजातपलितार्दिवैरप्यमजरं  
वृद्धमनारोपितमेदोदोषं गुरुकरणमसुवर्णविरचनमग्राम्यं कर्णाभरणमतीतज्योतिरालोको नोद्वेगकरः  
प्रजागरः विशेषेण राज्ञाम्। विरला हि तेषामुपदेष्टारः।

(ख) व्याख्यायताम्। (व्याख्या कर।)

अहङ्कारदाहज्वरमूर्च्छाङ्कारिताविह्वला हि राजप्रकृतिः।

(ग) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या। (प्रसङ्गसह व्याख्या कर।)

त्रैविद्येभ्यस्त्रयीं विद्याद् दण्डीतिषु शास्त्रतीम्।

आश्चिन्तिकीषुविद्यां वार्तारञ्जं च लोकतः॥

(घ) मनुसंहितानुसारतः राज्ञः वार्षिककरग्रहणनीतिः आलोचनीया। (मनुसंहिताबलम्बने राजार वार्षिक करग्रहणनीति आलोचना कर।)

(ङ) व्याख्या करणीया। (व्याख्या कर।)

विभज्यामात्यविभवं देशकालौ च कर्म च।

अमात्याः सर्व एवैते कार्याः स्युर्न तु मन्त्रिणः॥

(চ) অনুদ্য বিশদীক্রিয়তাম্। (অনুবাদ করে বিষয়টি পরিস্ফুট কর।)

সুপ্রতিবিহিতযানবাহনপুরুষপরিবাপঃ প্রতিষ্ঠেত। “শাসনমেবং বাচ্যঃ পরঃ, স বক্ষতেবম্, তস্যেদং প্রতিবাক্যমেবমতিসন্ধাতব্যম্” ইত্যধীয়ানো গচ্ছেৎ। অটব্যস্তঃপালপুররাষ্ট্রমুখ্যৈশ্চ প্রতिसংসর্গ গচ্ছেৎ। অনীকস্থানযুদ্ধপ্রতিগ্রহাপসারভূমীরাঘ্ননঃ পরস্য চাবেক্ষেত। দুর্গরাষ্ট্রপ্রমাণং সারবৃত্তিগুপ্তিচ্ছিদ্রাণি চোপলভেত।

(ছ) গির্গার—অভিলেখস্য কাব্যসৌন্দর্য্যং নিরূপয়তু। (গির্গার অভিলেখের কাব্যসৌন্দর্য্য নিরূপণ কর।)

(জ) টিপ্পনী লেখনীয়া। (টীকা লেখ।)

(ক) অনুপঃ অনুপনীবৃত্ত বা (খ) পূর্বাপরাকরাবন্তি।

2. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু দ্বয়ং লেখনীয়ম্।

(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো দুটির উত্তর দাও।)

10×2=20

(ক) গির্গার—প্রশস্ত্যানুসারেণ রুদ্রদাম্নঃ সুশাসনস্য বিবরণঃ প্রদেয়ঃ।

(গির্গার প্রশস্তি অনুসারে রুদ্রদামনের সুশাসনের বিবরণ দাও।)

(খ) অর্থশাস্ত্রমবলম্ব্য পররাষ্ট্রে দূতস্য কার্যাবলী প্রতিপাদনীয়া।

(অর্থশাস্ত্র অবলম্বনে পররাষ্ট্রে দূতের কার্যাবলী প্রতিপাদন কর।)

(গ) মনুসংহিতামনুসৃত্য দণ্ডঃ প্রতিপাদনীয়ঃ।

(মনুসংহিতানুসারে দণ্ড প্রতিপাদন কর।)

(ঘ) কাদম্বরীমবলম্ব্য শুকনাসোপদেশো বর্ণ্যতাম্।

(কাদম্বরী অবলম্বনে শুকনাসের উপদেশবলী বর্ণনা কর।)